UDISE No. : 10280501108

स्थापित - 2008

अत्तदीपा विहरथ

बिहटा आवासीय विद्यालय

(बिहार सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(माध्यम - हिन्दी/अंग्रेजी)

किशुनपुर (रामबाग), बिहटा, पटना (बिहार)-801103

Mob. : 9973146720 | 8084682465 | 8292604688 | 7759852469

CLASS

Nursery to VIIIth

जमीन खत्म हुई, आसमान बाकी है।

न थक के बैठ कि तेरी उड़ान बाकी है,

इस विद्यालय में प्रतियोगिता परीक्षाओं (नवोदय, नेतरहाट, सैनिक, मिलिट्री इत्यादि) की तैयारी कराई जाती है।

E-mail : bavbihta@gmail.com | Web. : www.bavbihta.com

उद्देश्य ::

शिक्षा सशक्तिकरण का माध्यम है। शिक्षा जीवन जीने की कला है। शिक्षा में इतनी शक्ति है कि गरीब का बच्चा भी उच्च पद को प्राप्त करके, गरीबी को अमीरी में बदल कर, अपने परिवार एवं समाज की दशा और दिशा को बदल सकता है। शिक्षा एक दिव्य प्रकाश है, जो मानव के कर्मपथ को आलोकित करते रहता है।

भारत गाँवों का देश है। जहाँ न केवल संसाधन का अभाव है, बल्कि प्रेरणा और प्रोत्साहन की भी कमी है। चारो तरफ अशिक्षा, अभाव, बेकारी और निराशा की कठिन समस्या उपस्थित है। ऐसे में मानव समाज के सामने कौन सा साधन है, जो उन्हें इन समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है। वह है ''शिक्षा''।

आज इस पूरे जनपद में, एक भी ऐसा विद्यालय नही है, जो बाल मनोविज्ञान की भावभूमि पर आधृत, आच्छादित और बच्चों के समग्र व्यक्तित्व के सम्यक विकास के प्रति सजग एवं सचेष्ट हो। इस विद्यालय का परम लक्ष्य है, छात्र-छात्राओं में प्रतियोगिता की भावना विकसित कर, उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक तौर से एक सर्वगुण सम्पन्न नागरिक बनाना।

सरकारी शिक्षा के गिरते स्तर को देखते हुए इस विद्यालय की स्थापना की गयी है। इस विद्यालय में नर्सरी से अष्टम् वर्ग की पढ़ाई (सी.बी.एस.ई.) पद्धति पर तथा देश व प्रदेशों के ख्याति प्राप्त विद्यालयों जैसे : (सैनिक/मिलिट्री स्कूल, नेतरहाट, नवोदय विद्यालय, हजारीबाग विद्यालय इत्यादि) में प्रवेश के लिए, फॉर्म भराकर सफल कराना, इस विद्यालय का मुख्य लक्ष्य है। इसमें हमें शानदार सफलताएँ भी मिलती रही है। अनुभवी शिक्षक अपने अथक परिश्रम से विद्यार्थियों के शैक्षणिक आधार इतना मजबूत बना देते हैं, कि साधारण परिवार के बच्चों को भी आई.ए.एस., मेडिकल, इंजीनियरिंग, बी.टेक, एम.टेक, एम.सी.ए., सी.ए. इत्यादि में जाने का स्वपन पूरा हो जाता है और हो भी रहा है।

स्थिति एवं प्रस्थिति

भारतीय गुरूकुल निर्जन प्रदेशों में हुआ करते थे। ''तुमुल कोलाहल कलह से दूरस्थ''। यह विद्यालय शहर के शोरगुल से अलग शान्त वातावरण में स्थित है। कहने में गर्व अनुभव हो रहा है कि यह विद्यालय कई एकड़ में किशुनपुर (रामबाग), बिहटा, पटना में अवस्थित है। जो ई.एस.आई.सी. (हॉस्पिटल), बिहटा के सामने दक्षिण दिशा में स्थित है।

[बिहटा पहुँचने के बाद भी विद्यालय का पता नहीं लग रहा हो तो आप यहाँ किसी भी व्यक्ति से पूछ लें कि श्री माचा बाबा का मंदिर कहाँ है तो वे आपको 'रामबाग दिव्य धम' का रास्ता बता देंगे जहाँ यह विद्यालय अवस्थित है।]

प्रवेश एवं शिक्षा का माध्यम

इस विद्यालय में कम-से-कम 6 वर्ष के बच्चों के ही नामांकन होते हैं। बच्चों को नामांकन के पूर्व एक जाँच परीक्षा (मौखिक / लिखित / रैण्डम) से गुजरना होता है। नर्सरी से प्रथम वर्ष तक मौखिक पूछ-ताछ तथा अन्य वर्गों के परीक्षा के विषय हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं सामान्य ज्ञान होता है, जिस बच्चा को कम-से-कम 10 तक पहाड़ा, हिन्दी में साधारण शब्द लिखने एवं अंग्रेजी में बड़े छोटे अक्षरों को पहचानने की क्षमता होती है, उसे यहाँ नर्सरी वर्ग में नामांकन के योग्य समझा जाता है।

उपलब्धियाँ :- 2023 तक सफल छात्र/छात्राओं की संख्या – 2215

- नवोदय विद्यालय - 646
- नेतरहाट - 154
- सैनिक स्कूल - 451
- मिलिट्री स्कूल - 93
- गुरूकुल (हरियाणा) - 136
- सिमुलतला विद्यालय - 260
- वनस्थली (राजस्थान) - 78
- प्रेमा पार्वती (नैनीताल) - 110
- पंडित दीन दयाल स्कूल (कानपुर) - 95
- आचार्य कुलम (हरिद्वार) - 85
- इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय (हजारीबाग) - 76
- रेलवे स्कूल (उत्तराखण्ड) - 31

अवसर को खो देना, सफलता को खो देना है : चार्ल्स

आवासीय छात्र-छात्राओं के लिए शुल्क

शुल्क	दिवसीय	आवासीय
नामांकन के समय : प्रवेश शुल्क	5000 रु.	5000 रु.
विकास शुल्क	5000 रु.	5000 रु.
चालू माह का शुल्क	2000 रु.	5000 रु.
अग्रिम राशि (प्रतिभूति धन) (जो स्कूल छोड़ने के समय लौटा दिया जायेगा।)	6000 रु.	6000 रु.
प्रवेश फॉर्म	500 रु.	500 रु.
	कुल 18, 500 रु.	कुल 21, 500 रु.

नोट : प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल हो जाने पर अग्रिम राशि (प्रतिभूति धन) वापस नही किया जाता है।

मासिक शुल्क 5000 रू0 ही देय है। इस राशि के अन्तर्गत शिक्षण, आवास, नास्ता, मनोरंजन एवं पुस्तकालय शुल्क समाहित है। जो छात्र/छात्रा दूध लेना चाहते हैं, उन्हें दूध का शुल्क अलग से जमा करना होगा। (प्रतिदिन एक पाव दूध लेने पर 450 रू0 प्रतिमाह देय होगा)

नोट : यह छात्रावास शुद्ध शाकाहारी है। छात्रों को आस्वाद एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दैनिक नाश्ते और भोजन में परिवर्तन किया जाता है। त्यौहारों पर भोजन का विशेष आयोजन होता है।

विद्यार्थियों की दिनचर्या

दिनचर्या		शीतकालीन	ग्रीष्म कालीन
जागरण व शौच	-	4 से 4.30 बजे तक	4 से 4.30 बजे तक
स्वाध्याय (प्रातः)	-	4.00 से 5.30	4.00 से 5.30
योगा/प्रार्थना	-	5.30 से 6.15	5.30 से 6.15
नाश्ता (चना/चूड़ा या फल)	-	6.15 से 6.30	6.15 से 6.30
टियूशन	-	6.30 से 8.30	.....
विद्यालय अध्ययन	-	.....	6.30 से 8.30
नाश्ता (रोटी व सब्जी)	-	8.30 से 9.15	8.30 से 9.15
प्रार्थना	-	9.40 से 9.55	.....
विद्यालय अध्ययन	-	10.00 से 12.30	10.00 से 12.30
भोजन	-	12.30 से 1.00	12.30 से 1.00
विश्राम	-	1.00 से 1.30	1.00 से 2.50
विद्यालय अध्ययन	-	1.30 से 4.00	.....
टियूशन	-	.....	3.00 से 5.00
खेल कूद व मनोरंजन	-	4.00 से 5.20	5.00 से 6.00
नाश्ता (चना/चूड़ा/फल)	-	5.30 से 6.00	6.00 से 6.30
शाति मत्रोच्चारण व स्वाध्याय (शाम)	-	6.00 से 8.00	6.30 से 8.30
रात्रि भोजन	-	8.00 से 8.40	8.30 से 9.00
शयन	-	9 से 4.00 प्रातः तक	9 से 4.00 प्रातः तक

आवासीय विद्यार्थियों के अपेक्षित सामानों की सूची

- किताब, कॉपी, कलम, बैग इत्यादि।
- विछावन, रजाई, कम्बल, बेडसीट, तौलिया (पतली) हरे रंग के कॉसमेंट कपड़े का कवर।
- नहाने धोने के साबुन, डिटर्जेंट, केश तेल (नारियल/सरसों तेल), कंघी ऐनक
- बेसलीन, बोरोलीन, हवाई चप्पल (ब्लू स्टेप वाला) इत्यादि।
- छात्रावास में इस्तेमाल के लिए चार पैंट, चार कमीज।
- दो-दो बनियान एवं कच्छे।
- थाली, कटोरी, लोटा, बाल्टी (लोहा, स्टील या एल्युमिनियम)
- ब्रश, जीभी, पेस्ट / दंतमंजन इत्यादि।
- एक मध्यम साइज (32 इंच) का बक्सा, ताला - चाभी के साथ।
- छात्र/छात्रा के साथ माता-पिता व मिलने / घर ले जाने वाले का एक फोटो (रंगीन/सादा पासपोर्ट साईज) देय होगा।
- छात्र-छात्रा / माता-पिता का आधार संख्या का छायाप्रति।

गोवा के महामहिम राज्यपाल डॉ. मृदुला सिन्हा से निदेशक पुरस्कृत होते हुए।

थाइलैण्ड के माननीय उप राष्ट्रपति से निदेशक पुरस्कृत होते हुए।

माननीय शिक्षा मंत्री बिहार से निदेशक पुरस्कृत होते हुए।

माननीय श्री गंगा प्रसाद, पूर्व राज्यपाल, सिक्कीम द्वारा प्राचार्य "प्रथम शिक्षायान राष्ट्रीय सम्मान" से सम्मानित होते हुए।

माननीय श्री नंदकिशोर यादव स्पीकर, बिहार विधानसभा, बिहार द्वारा प्रधानाध्यापिका पुरस्कृत होते हुए।

शिक्षा के बिना मानव पशु के समान है - महात्मा गाँधी

हमारी विशेषताएँ ::

1. बिहटा- आरा (राष्ट्रीय राजमार्ग एन.एच.- 30) मुख्य पथ से दक्षिण (मेनरोड से बिहटा कॉलेज रोड पर) रामबाग (दिव्य धम) के शांत व मृदु जलवायु में अवस्थित।
2. नर्सरी से अष्टम तक (सीबीएससी पाठ्यक्रम) विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी।
3. कम फीस दर एवं सर्वांगीण शिक्षा।
4. विद्यालय का अपना भव्य भवन, 20 फीट ऊँची चहारदिवारी से सुरक्षित और सुसज्जित।
5. प्रशिक्षित, कुशल एवं अनुभवी शिक्षकों की समुचित व्यवस्था।
6. छात्रावास एवं भोजन-नास्ता की उत्तम व्यवस्था।
7. छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था।
8. बच्चों के चतुर्दिक विकास हेतु संगीत, खेलकूद, भाषण, नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं क्विज इत्यादि में भाग लेने के लिए भरपूर प्रोत्साहन।
9. अनुशासन एवं सुरक्षा हेतु दिन-रात सशस्त्र रक्षकों की सुदृढ़ व्यवस्था।
10. प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे-सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल, नेतरहाट, वनस्थली, नवोदय, सिमुलतल्ला आवासीय विद्यालय, रामकृष्ण मिशन, हिन्दु स्कूल, गुरुकुल) इत्यादि में प्रवेश हेतु तैयारी की विशिष्ट व्यवस्था।
11. बुद्धि परीक्षण, गणित, सामान्य ज्ञान, एवं नैतिक शिक्षा पर विशेष ध्यान।
12. छात्र एवं छात्राओं में, दृढ़ इच्छा शक्ति, दृढ़ संकल्प एवं स्वाध्याय की भावनाओं का संचार करना।
13. अंग्रेजी भाषा बोलने एवं लिखने हेतु विशेष व्यवस्था।
14. पुस्तकालय सह वाचनालय, एवं प्राथमिक चिकित्सालय की उत्तम व्यवस्था।
15. शिक्षा का माध्यम, हिन्दी/अंग्रेजी है, लेकिन अंग्रेजी पर विशेष ध्यान।
16. किताबी ज्ञान को व्यवहारिक रूप देकर खेल-खेल में पढ़ाई की व्यवस्था।
17. साप्ताहिक जाँच परीक्षा, मासिक परीक्षा एवं प्रत्येक तीन माह पर त्रैमासिक प्रोनति परीक्षा की नियमित व्यवस्था।
18. शारीरिक शिक्षा एवं योग शिक्षा की समुचित व्यवस्था।
19. रचनात्मक प्रतिभा जागृत करने हेतु, स्वलेखन, काव्य एवं कथा लेखन, प्रतियोगिता का आयोजन।
20. सुलेख व उच्चारण सुधार हेतु नवीनतम वैज्ञानिक पद्धति।
21. छात्राओं हेतु पेंटिग, सिलाई रंगोली, आर्ट एवं क्राफ्ट की समुचित व्यवस्था।
22. प्रत्येक दिन प्रार्थना सभा में सद्गुणों पर विचार।
23. समग्र विद्यालय के आश्रमों (गाँधी, टैगोर, पटेल, विवेकानंद एवं लक्ष्मी बाई) में विभक्त करके संचालन में सुविधाओं की सुगमता की व्यवस्था।
24. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जगह सी.सी.टी.वी. कैमरा व दिन/रात अलग-अलग सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था।

प्रतिभा पाई नहीं कमाई जाती है।

शिक्षा लाभ के लिए हो, लोभ के लिए नहीं ।

प्राचार्या नेतरहाट में पूर्ववर्ती छात्रों के साथ।

2022 में सिक्कीम के महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद से निदेशक पुरस्कृत होते हुए।

प्राचार्या अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला आयोग के अध्यक्षा माननीया दिलमणी देवी के साथ।

सुपर 30 के संस्थापक डॉ. आनन्द कुमार के साथ निदेशक।

माननीय शिक्षा मंत्री बिहार सरकार डॉ. चन्द्रशेखर जी से निदेशक पुरस्कृत होते हुए।

यह विद्यालय भारतीय गुरुकुल परम्परा एवं मॉन्टेसरी सिस्टम का मणिकांचन संयोग है।

अपने जीवन के विषम परिस्थितियों, घोर अभावों एवं उपेक्षाओं के समय अवधि में सीखे अनुभवों ने मुझे बेहतर करने की प्रेरणा दी है। इसलिए यहाँ दिखावा के लिए कुछ भी नहीं है। निरन्तर सुधार के लिए प्रयासरत रहता हूँ और आप सभी अभिभावकगण का सकारात्मक सहयोग हमेशा मिलता रहे ऐसी आशा करता हूँ।

संरक्षक

डॉ. (प्रो.) जनेश्वर सिंह
पूर्व प्रधानाचार्य, जैन कॉलेज, आरा

उमा सिंह
एम.ए. (हिन्दी व भोजपुरी)

प्रधानाध्यापिका
सोनी सिंह
M.A. B.Ed.

निदेशक
डॉ० उदय कुमार सिंह

नामांकन जाँच प्रवेश परीक्षा

तिथि :

नम्रता स्वतंत्रता की जननी है।

Design & Print @ Gyan Ganga Creations # 09334110685